दिल्ली न्यूज़7

सबके साथ सबकी बात

dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.in

प्रमुख समाजसेवी, एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि. के चेयरमैन

अशोक अग्रवाल जी

बने 'न्यूज़ 7 मीडिया ग्रुप' के

मुख्य प्रेरक

एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के चेयरमैन, प्रमुख समाजसेवी एवं शालीमार बाग निवासी श्री अशोक अग्रवाल जी ने 'न्यूज़7' मीडिया ग्रुप का मुख्य प्रेरक बनकर हमें गौरवान्वित किया है। 'न्यूज़7 मीडिया ग्रुप' उनका हृदय से आभार व्यक्त करता है और उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक, धार्मिक एवं व्यावसायिक कार्यों को बखूबी प्रचारित करता रहेगा।

ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता

एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की पहचान

ईश्वरीय शक्ति एवं चेयरमैन साहब की दृढ़ इच्छाशक्ति से एचपीएम आज सफलता के शिखर पर : अमित चुघ (सीईओ)

भारत की अर्थव्यवस्था एवं उसके विकास में किसानों की भूमिका शरीर की रीढ़ की हड्डी के रूप में देखी जाती है। वर्ष 1947 में भारत आजाद हुआ, तभी से किसानों के लिए सरकारें अनेक योजनाएं लाती रही हैं जिससे कि विकास का पहिया तीव्र गति से चलता रहे। हरित क्रांति जैसे नारों से गुजरता हमारा देश आज खेती-किसानी के लिए अत्याधुनिक दौर में जा पहुंचा है। इस पर देश के प्रधानमंत्री का फोकस तो है ही, साथ ही अनेक प्राइवेट कम्पनियां भी किसानों के लिए बहुत बड़े-बड़े अनुसंधान करा रही हैं ताकि हमारे देश के विकास की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले किसान विकसित समाज की सबसे अग्रणी पंक्ति में खड़े हों तथा इनको गति देने वाली कम्पनियां भी द्रुत गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो सकें। कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए जो उच्च गुणवत्ता की दवाइयां आज किसानों तक पहुंच रही हैं, उनका निर्माण करने वाली 'एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि. ' के सीईओ-कम-डायरेक्टर अमित चुघ से 'दिल्ली न्यूज़ 7' की टीम ने मुलाकात की। प्रस्तुत हैं अमित चुघ के विचार-

कम्पनी की स्थापना कब हुई?

सबसे पहले इस कम्पनी का नाम हिन्दुस्तान पलवराजिंग मिल्स था, जिसकी अनेक शाखाएं होती गईं। वर्ष 1976 में हमारे चेयरमैन अशोक कुमार अग्रवाल ने कम्पनी को 'एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड' का एक नया नाम देकर आगे बढ़ाया। ईश्वर के आशीर्वाद एवं चेयरमैन साहब की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम था कि कम्पनी ने आज सफलता के शिखर पर अपना स्थान बनाया है। चेयरमैन साहब ने ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता के मूलमंत्र को स्थापना काल से अपना लक्ष्य बनाया जिसका परिणाम आज देखने को मिल रहा है कि उनके सोचे कार्य सौ प्रतिशत सफल होते हैं।

एचपीएम की कार्यप्रणाली के बारे में बताएं?

कम्पनी एग्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में दृढ़तापूर्वक कार्य कर रही है। कृषि उत्पादों को बढ़ाने के लिए जो भी दवाईयां बनती हैं, उनका निर्माण हम कर रहे हैं। इसके लिए हमारी कम्पनी अनेक देशों से भारी मात्रा में आयात करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेक इन इण्डिया' का मंत्र दिया जिसके बाद हमारी कम्पनी ने राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में अपने ही प्लांट स्थापित किए। दूसरे देशों से कच्चा माल लाकर अपने देश में ही एग्रोकेमिकल्स का हम निर्माण कर रहे हैं। इससे जहां देश में ही रोजगार का सृजन हो रहा है, वहीं किसानों को भी उच्च गुणवत्ता की दवाईयां वाजिब दामों पर मिल रही हैं। हमारी कम्पनी का देश के सभी राज्यों में एक वृहद नेटवर्क है तथा करीब 600 स्थाई कर्मचारियों के साथ-साथ 5000 से अधिक मार्केटिंग स्टाफ कार्य कर रहा है। कम्पनी चीन, ताईवान, जापान, बंग्लादेश, रशिया एवं इजिप्ट के साथ भारी मात्रा में आयात-निर्यात कर रही है। आज देश के लगभग 21 राज्यों में अपने निजी ऑफिस हैं जिनका नेतृत्व चेयरमैन अशोक अग्रवाल दिल्ली के हेड ऑफिस से कर रहे हैं।

एचपीएम की ग्रोथ के बारे में बताएं?

अपने 47 वर्ष के सफर में कम्पनी लगातार सफलता के शिखर पर काबिज रही है। चेयरमैन साहब ने कोरोना काल में जब पूरा विश्व बंद हो गया था और चारों तरफ अंधकार छा गया था, उस मुश्किल घड़ी को भी अवसर के रूप में लिया। जैसा कि सभी को पता है, चेयरमैन साहब की दृढ़ इच्छाशक्ति ने वर्ष-2021 में वृद्धि की जो रफ्तार कम्पनी को दी, वह वर्ष 2021-22 में 40 प्रतिशत वृद्धि दर को छू गई। इसके बाद उनकी इच्छाशक्ति एवं ईश्वरीय शक्ति का परिणाम रहा कि कम्पनी ने वर्ष 2022-23 में 550 करोड़ के टर्नओवर लक्ष्य को पार किया। कम्पनी अगले वित्त वर्ष में 700 करोड़ के लक्ष्य के साथ अपने 50वें स्थापना वर्ष में एक हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर लक्ष्य को निर्धारित करके कार्य कर रही है।

एचपीएम की भविष्य की योजनाओं के बारे में कुछ बताएं?

चेयरमैन साहब की सोच निरन्तर प्रगति की रहती है। कम्पनी ने राजस्थान में एक वृहद भूभाग परचेज किया है, जिस पर एक शानदार प्लांट बनाया जाएगा, जहां पर टेक्निकल मैटेरियल्स का कार्य होगा। कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए कम्पनी अनेक एग्रोकेमिकल्स का निर्माण कर रही है। किसानों को उच्च गुणवत्ता की दवाइयां देने के साथ एचपीएम का लक्ष्य है कि वे दवाईयां बहुत ही वाजिब दामों पर भी प्रदान की जाएं। हमारे लिए यह एक सुखद क्षण है कि चेयरमैन अशोक अग्रवाल जी प्रतिस्पर्धा के इस युग में भी बहुत कम लाभ पर ये एग्रोकेमिकल्स किसानों को दे रहे हैं। आने वाले दिनों में रेट की भी प्रतिस्पर्धा शुरू होगी क्योंकि एचपीएम ने यह तय कर लिया है कि किसानों को विश्वस्तरीय एग्रोकेमिकल्स वाजिब दामों पर मुहैय्या कराए जाएं। इसके अतिरिक्त एचपीएम लिक्विड यूरिया भी बनाने जा रही है तथा कृषि उपज बढ़ाने के लिए उसके खरपतवार नष्ट करने की दवा भी किसानों तक पहुंचाने जा रही है।

एचपीएम इसी माह 'एवाहिट' नाम से एक प्रोडक्ट इसी माह लांच करने जा रही है जो माइटी साइड है। इसके साथ खरपतवार नष्ट करने के लिए 'धावक' नाम से प्रोडक्ट जल्द ही लांच करने जा रही है। ये दोनों प्रोडक्ट जम्मू प्लांट में बन रहे हैं। ये प्रोडक्ट अभी भारत में एक-दो कम्पनियां ही बना रही हैं। एचपीएम का लक्ष्य है कि बाजार से एकाधिकार को समाप्त करके किसानों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाए।

सरकार से कम्पनी को क्या मदद चाहिए?

आज भारत की अधिकतर कम्पनियां 'मेक इन इंडिया' को ध्यान में रखकर कार्य कर रही हैं। हम भी सारा कच्चा माल विदेशों से लाकर यहीं निर्माण कर रहे हैं। कम्पनी रोजगार का सृजन भी यहीं कर रही है तथा वाजिब दामों पर उत्पाद भी कस्टमर तक पहुंचा रही है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ हो रही है। अब सरकार का भी दायित्व बनता है कि वह इस कार्य में कम्पनियों को सब्सिडी प्रदान करे ताकि कम्पनियां नुकसान में न जाएं।

एचपीएम सोशल वैलफेयर के लिए क्या कार्य कर रही है?

हमारे चेयरमैन अशोक अग्रवाल जी का विजन जितना स्पष्ट है, उससे कहीं ज्यादा उनका हृदय कोमल है। वह धर्म-कर्म एवं समाजसेवा में बहुत विश्वास रखते हैं। महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल पंजाबी बाग द्वारा कैंसर विंग का निर्माण किया जा रहा है, उसमें एक बड़ा सहयोग उन्होंने प्रदान किया है। रामलीला कमेटी शालीमार बाग में उन्होंने 14 वर्षों तक 'राजतिलक' करने का सौभाग्य अर्जित किया, जिसके उपरान्त बहुत बड़े पैमाने पर 14वें वर्ष को उन्होंने सेलिब्रेट किया। इसके साथ-साथ उस रामलीला के दौरान वह 'सीता की रसोई' का संचालन करते हैं जिसमें सैकड़ों व्यक्ति प्रतिदिन प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके साथ-साथ शालीमार बाग क्षेत्र में जहां अनगिनत धार्मिक कार्य होते हैं, वहां पर उनका बहुत बड़ा सहयोग लगातार रहता है। अशोक जी जी.टी. करनाल रोड पर बन रहे दुनिया के आठवें अजूबे 'श्री खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम' के शालीमार बाग नगर अध्यक्ष हैं। वह लोगों को भरपेट भोजन कराने में बहुत सुकून महसूस करते हैं। जम्मू एवं राजस्थान के प्लांट में कैंटीन कम्पनी चलाती है जहां पर नाममात्र के शुल्क पर सभी कर्मचारियों को भोजन खिलाया जाता है। इस जगह साल में अनेक बार कम्पनी भण्डारा आयोजित करती है, तब सभी को भोजन प्रसाद के रूप में दिया जाता है। इसके साथ ही कम्पनी के रजिस्टर्ड ऑफिस में शानदार, अत्याधुनिक पूर्णतः हाईजैनिक कैफेटेरिया का निर्माण अंतिम चरण में है। यहां पर चेयरमैन साहब के साथ-साथ सभी 60 कर्मचारियों को निःशुल्क लंच आदि की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त हेड ऑफिस में आने वाले देशी-विदेशी मेहमानों की भी निःशुल्क भोजन व्यवस्था उस कैफेटेरिया में की गई है।

अन्ततः मैं यही कहना चाहूंगा कि कम्पनी का विजन बहुत स्पष्ट है। चेयरमैन साहब की सोच बहुत सराहनीय है। हम किसानों के हितों को लेकर कार्य कर रहे हैं। हमें मुनाफा नहीं चाहिए वरन् किसानों को उच्च गुणवत्ता के विश्वस्तरीय उत्पाद, वह भी उनकी सोच से भी कम दाम पर उपलब्ध कराने का जो बीड़ा उठाया है, उसमें कामयाबी जरूर मिलेगी, इसका सम्पूर्ण विश्वास है।

NEWS7 NEWS 7 PRIVATE LIMITED | दिल्ली न्यूज़7 सबके साथ सबकी बात | CORPORATE CHAMBER | वैश्य रत्न | दिल्ली न्यूज़7 | खाटू दिल्ली